एग्री आर्टिकल्स
(कृषि लेखों के लिए ई-पत्रिका)
वर्ष: 04, अंक: 05 (सितंबर-अक्टूबर, 2024)
www.agriarticles.com पर ऑनलाइन उपलब्ध
© एग्री आर्टिकल्स, आई. एस. एस. एन.: 2582-9882

इपोमिया कार्नेया: बेहया पौधे का औषधीय महत्व

(*परवीन फातिमा, जया कुमारी, धरमशीला ठाकुर, शाहिना परवीन एवं रणधीर कुमार)
नालंदा कॉलेज ऑफ हॉर्टिकल्चर, बिहार कृषि विश्वविद्यालय
*संवादी लेखक का ईमेल पता: parveenfrizvi@gmail.com

बेहया एक किस्म का पौधा है, जिसे अलग-अलग जगह पर अलग-अलग नाम से जाना जाता है। बेहया को स्थानीय भाषा में बेशर्म के नाम से भी जाना जाता है। पिंक मॉर्निंग ग्लोरी, मॉर्निंग ग्लोरी की एक प्रजाति है।बेशरम/बेहया/थेथर एक किस्म का पौधा है, जिसे अलग-अलग जगह पर अलग-अलग नाम से जाना जाता है। इस पौधे का हिंदी/मराठी नाम बेशरम/बेहया, जिसका अर्थ है-बेशर्म।

बेहया नाम इसके लम्बे समय तक जीवित रहने के कारण पड़ा जोकि उखाड़ कर फेक देने के बाद भी लम्बे समय तक जीवित रहते है और नमी पाने पर पनप जाता है। *इपोमिया कार्नेया* (परिवार: कॉन्वोल्वुलेसी) सीधा, लकड़ीदार, रोएंदार और आकार में थोड़ा बेलनाकार, हरा रंग का होता है जो स्थलीय भूमि पर ६ मीटर तक बढ़ता है। यह एक बहुत ही दृढ़ पौधा है और सूखे के साथ-साथ पानी के ठहराव को भी सहन कर सकता है। है। कॉन्वोल्वुलेसी परिवार में दुनिया भर में सबसे बड़ी प्रयोगशाला इपोमिया की लगभग 85 जेनेरा और 2,800 शाखाएं हैं। इस पौधा की उत्पत्ति मूल रूप से उष्णकटिबंधीय अमेरिका से हुई है ,जो आज पूरी दुनिया में व्यापक रूप से वितरित, जैसे अमेरिकी उष्णकटिबंधीय, अर्जेंटीना, ब्राजील, बोलीविया,पाकिस्तान, श्रीलंका आदि जगह फैला हुआ है। बेहया भारत में बड़ी ही आसानी से हर जगह देखा जा सकता है। हालाँकि, भारत में यह दो राज्य में अधिक पाए जाते हैं: छत्तीसगढ़ और मध्य प्रदेश। इसे मूल रूप से मिस्र में एक सजावटी उपचार के रूप में तैयार किया गया था, लेकिन अब लगभग हर जगह पाई जा सकती है, जिसमें सड़क के किनारे, नहर के किनारे, खेती की जमीन और बंजर भूमि शामिल हैं। इसमें चीन की कई विचारधाराएं भी शामिल हैं, जिनमें हैनान, गुआंगशी और ताइवान शामिल हैं।

इस पौधे में बहुत सुंदर गुलाबी रंग के फूल खिलते हैं। बेहया का उपयोग औषधीय और सजावटी मित्र मंडलों के लिए किया जाता है। इस उपाय के लेटेक्स में सूजन-रोधी गुण होते हैं; इसलिए इसे ठीक करने के लिए पारंपरिक चिकित्सा में एंटीसेप्टिक के रूप में उपयोग किया जाता है। इस औषधि के गर्म पानी के अर्क में एंटीरूआम गुण होते हैं और यह साइक्लोफॉस्फेमाइड के टेराटोजेनिक प्रभाव को कम करता है। इसे कामोद्दीपक, रेचक और रेचक गुणवत्ता वाला भी माना जाता है। कई जांचों से पता चला है कि इस उपचार में बैक्टीरिया रोधी और एंटीफंगल गुण हैं। *इपोमिया कार्नेया* की बागडोर और अमावती दर्द के उपचार भी प्रभावशाली दिखाए गए हैं। इसमें शामक और ऐंठन-रोधी गुण भी होते हैं। इसका उपयोग कागज बनाने के लिए भी किया जा सकता है। *इपोमिया कार्नेया* के जलीय आर्क से भ्रूण को नष्ट करने का पता चलता है, जिसके परिणामस्वरूप बहुत अधिक मात्रा में अपशिष्ट अवशेष होता है। *इपोमोआ इलेक्ट्रॉनिक्स* पर

कई जांचों से पता चला है कि *इपोमोआ कॉर्नेया* में गंभीर कैंसर-धीरज, सूजन-धीरज, नींद-धीरज, हृदय-संवहनी-धीरज और सूजन-धीरज गुण होते हैं। इसमें कई उपयोगी फाइटोकॉन्स्टिट्यूएंट्स शामिल हैं जिनका उपयोग आधुनिक चिकित्सा में किया जा सकता है और यह औषधि विकास प्रक्रिया में प्रमुख अनी के रूप में भी काम कर सकता है। दूसरी ओर, प्रीक्लिनिकल और क्लिनिकल शोध के लिए वैज्ञानिक अभ्यर्थियों और प्रमाणित विशेषज्ञों का उपयोग करना आवश्यक है

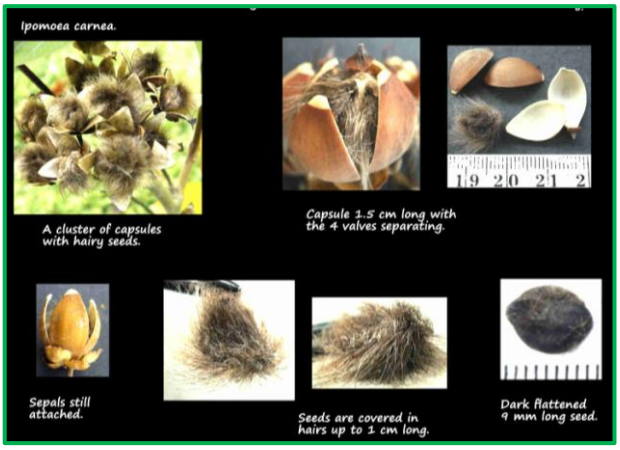

इपोमिया कार्नेया 6 मीटर की दूरी तक पहुंच सकता है; हालाँकि जलीय रिज़ॉर्ट में यह कम पाइपलाइन तक पहुँच सकता है। विकास के एक साल बाद, ताना मोटा हो जाता है और आधार से अहाता वाली कई मोटी आबादियों के साथ एक बड़े तने में बदल जाता है। सरल और पेटियोलेट पत्ती। पेटिओल बेलनाकार होता है, लंबाई लंबाई 4.0 – 7.5 सेमी और व्यास 2.5 – 3.0 मिमी होता है। *इपोमिया कार्नेया* में एक हरा तना होता है जो सीधा, लकड़ी वाला, बालों वाला और बेलनाकार आकार का होता है। इसकी पत्तियां 1.25 से 2.75 मीटर की लंबाई और 0.5 से 0.8 इंच व्यास तक हैं। पत्तियाँ युवा हरे रंग की, दिल के आकार की या लैंसोलेट आकार की और 10 से 25 सेमी लंबी होती हैं।

पूरे वसंत और गर्मियों के दौरान, 4 इंच के गुलाबी फूलों का समूह उत्पाद तैयार करता है। इसमें हरे रंग के बास्केट और बेलनाकार आकार के साथ अक्षीय फूल होते हैं। फूल का आकार 1.5 से 2.2 सेमी लंबाई और 0.15 से 0.20 सेमी व्यास होता है। टर्मिनल, पेडुंक ओब्लॉबिज़ सिम्स वाले फूल मंदारिन गुलाबी, गुलाबी के होते हैं; फलों में एक कैप्सूल होता है; बीज रेशमी होता है।

आयुर्वेद, सिद्ध और यूनानी चिकित्सा पद्धति में, इस पौधे का उपयोग लोक औषधि के रूप में किया जाता है और साहित्य से पता चलता है कि *इपोमिया कार्नेया* में संभावित एंटी ऑक्सीडेंट गतिविधि, इम्यूनो-उत्तेजक, कैंसर विरोधी, यकृत-सुरक्षात्मक और कई अन्य औषधीय गतिविधियाँ होती हैं। *इपोमिया कार्नेया* के रासायनिक घटक 2-एथिल-1,3-डाइमिथाइलबेन्जीन,2-(12-पेंटाडेसिनिलॉक्सी) टेट्राहाइड्रो 2एच-पायरान, 3-फ्यूरानिलख्2-हाइड्रॉक्सी-4-मिथाइल-2—(2-मिथाइलप्रोपाइल) साइक्लोपेंटाइल, मेथानोन, 2, 2 डाइड्यूटेरूऑक्टाडेकेनाल, हेक्साडेकेनोइक एसिड, लिनोलिक एसिड आदि हैं। *इपोमिया कार्नेया* के कई तरह के चिकित्सीय उपचार के लिए एक सुरक्षित, लाभकारी और औषधीय औषधीय पौधा है। इसके सक्रिय घटक/आर्क/अंश को वितरण वितरण में शामिल करके इसकी क्षमता का पता लगाया जा सकता है

इस पौधे की खासियत होती है कि यह कठिन से कठिन परिस्थिति में भी जिंदा रहते हैं। यह पौधा कभी सूखता या मरता नहीं है। इसलिए इसे बेशर्म कहा जाता है। कम पानी या कम धूप में भी यह मुरझाते नहीं। अगर बेहया पौधे की टहनियों को तोड़कर कहीं भी फेंक दिया जाए तो ये वहीं खुद ही उगने लगता है। ये कही भी किसी भी हाल में उग जाता है। इसे पानी में भी उगाया का सकता है। यह पौधा पानी में सड़ता नहीं है। यह एक आक्रामक पौधा है. इसे आसानी से ऐसे बीजों से उगाया जा सकता है जो जहरीले होते हैं और यह मवेशियों के लिए खतरनाक हो सकते हैंय विषाक्तता पत्तियों में लेकिन अधिकतर बीजों में सेलेनियम प्रजातियों के जैवसंचय से संबंधित है। इस पौधे की पत्तियों से लगातार सेलेनियम नमक विशेष पदार्थ का संचय होता रहता है जिससे ये पौधा जहरीला होने का प्रमाड देता है इसके बावजूद ये पौधा बड़े काम की चीज हुआ करता था लेकिन आजकल विलुप्त होने की कगार पर है।

इपोमिया कार्नेया का महत्व

इपोमिया कार्नेया के तने का उपयोग कागज बनाने के लिए किया जा सकता है। यह पौधा औषधीय महत्व का भी है। इसमें मार्सिलिन के समान एक घटक होता है, जो एक शामक और निरोधी है।

ग्लाइकोसिडिक सैपोनिन इस पौधे मे पाया जाता है जिसमे एंटीकार्सिनोजेनिक और ऑक्सीटॉक्सिक गुणों होते है। ये पौधा जमीन और पानी मे बहुत तेजी से फैलता है, इस पौधे की अनियमित पैदावार के कारण इसे घास श्रेड़ी रखा जाता है ऐसा माना जाता है की ये पौधा खेती के लिए भूमि के उचित उपयोग मे बांधा उत्पन्न करता है तथा पानी में यह सिंचाई, नौपरिवहन और मत्स्य पालन को प्रभावित करता है। तेजी से विकास दर, प्रसार और जलीय से जेरोफाइट्स अनुकूलनशीलता से संकेत मिलता है कि यह पौधा भारत में पारिस्थितिक आपदा एक कारण हो सकता है क्योंकि यह एक जहरीला पौधा होता है। *इपोमिया कार्नेया* के जहर के कारण इंसान भी इसे खा नहीं सकता। जंगली जानवर भी इस पौधे को नहीं खाते। इसका उपयोग केवल बाहरी रूप से किया जाता है अंदरूनी रूप से नहीं। बेहया की पत्तियां, टेहनियां और दूध को प्राचीन समय से ही लोग कई स्वास्थ्य समस्याएं ठीक करने में इस्तेमाल करते चले आ रहे हैं। *इपोमिया कार्नेया* से कीटनाशक भी बनाया जाता है, जिसके छिड़काव से फसलों पर लगने वाले कीटों का नाश होता है. *इपोमिया कार्नेया* का इस्तेमाल कम लोग करते हैं। गांव में तो आज भी लोग इस पौधे का प्रयोग कर पुराने घाव भरते हैं, लेकिन शहरों में इसके बारे में बहुत कम लोग जानते है।

घाव ठीक करने में मददगार: *इपोमिया कार्नेया* में एंटीबैक्टीरियल एंटीमाइक्रोबियल और एंटीऑक्सिडेंट्स गण पाए जाते हैं। इसलिए बेहया पौधे का इस्तेमाल घाव भरने में अधिक किया जाता है। इसकी पत्तियों पर तेल लगाकर हल्का गर्म कर चोट या घाव पर लगाने से घाव जदली भर जाते है। माना जाता है कि पुराने घाव भरने में भी बेहया काफी कामगर होता है।

दर्द से दिलाए राहत: यह पौधा दर्द भी कम करता है। ऐसा माना जाता है कि इसकी पत्तियां पट्टी के रूप में लगाने से सारा दर्द खींच लेती है और आपको दर्द से राहत दिलाती है। इसमें दर्द को कम करने वाले गुण मौजूद होते हैं। इस पौधे का इस्तेमाल आपकी पुरानी चोट से हो रहे दर्द को भी कम करने की क्षमता रखता है। इसलिए चोट लगने पर चिकित्सक के पास नहीं जाना चाहते तो यह पौधा आपकी मदद कर सकता है।

सूजन में फायदेमंद: *इपोमिया कार्नेया* पौधे में सूजन विरोधी गुण यानि एंटी इंफ्लामेटरी गुण पाए जाते हैं। इसकी पत्तियों को गरर्म करके सूजी हुई त्वचा पर लगाने से सूजन ठीक हो जाती है। *इपोमिया कार्नेया* की पत्तियों से बने लेप को सूजी त्वचा पर लगाने से भी सूजन कम होती है। यह सूजन को 3 से 4 घंटे में ही ठीक करने लगता है। इस तरीके से पुरानी से पुरानी सूजन भी ठीक की का सकती है। सूजन को कम करने के लि, प्राचीन समय से इस पौधे को काफी लाभकारी माना जाता है।

चर्म रोग के लिए फायदेमंद: *इपोमिया कार्नेया* को चर्म रोग ठीक करने में भी प्रयोग किया जाता है। इसके एंटीफंगल गुण चर्म रोग को ठीक करने में सक्षम होते हैं। इसके लिए इस पौधे की जड़ को उखाड़कर और सुखाकर पीस लें और उसमें कपूर और कोकड़े का तेल मिलाकर प्रभावित त्वचा पर लगाएं। इससे विटिलिगो जैसे चर्म रोग भी ठीक हो सकते है और तो और बेहाया दाद को भी ठीक करने में बहुत लाभदायक माना जाता है। इसके पत्ते त्वचा संबंधी अन्य कई विकारों में भी काम आते हैं।

जहर को कम करता है: जहरीले कीड़े के काटने का इलाज करने के लिए पूरे पौधे का अर्क प्रभावित स्थानों पर लगाया जाता है। *इपोमिया कार्नेया* पौधे की टहनियों और पत्तों को तोड़ने पर एक प्रकार का दूध निकलता है। बिच्छू के डंक मारने पर यदि यह दूध लगाया जाए तो इससे धीरे-धीरे जहर का असर कम होने लगता है। यही नहीं *इपोमिया कार्नेया* के पत्तो का लेप भी बिच्छू के डंक पर लगाकर जहर के असर को रोका जा सकता है।

व्यर्थ पानी का उपचार: इस संयंत्र का उपयोग स्थायी अपशिष्ट जल उपचार के लिए किया जा सकता है, विशेषकर ग्रामीण क्षेत्रों में जहां अपशिष्ट जल उपचार सुविधाओं का अभाव है।

ग्रीनहाउस प्रभाव में कमी: यह पौधा कार्बन को ग्रहण कर सकता है तथा विभिन्न परिस्थितियों में विकसित हो सकता है, जिससे ग्रीनहाउस प्रभाव को कम करने में मदद मिल सकती है।

कागज और जलाऊ लकड़ी: इसके तने का उपयोग कागज बनाने तथा जलावन के रूप में किया जा सकता है।

उर्वरक: पत्तियों का उपयोग उर्वरक के रूप में किया जा सकता है।

इपोमिया कार्नेया के प्रतिकूल प्रभाव सामान्य विषाक्तता

कई अध्ययनों ने विषैले प्रभावों की सूचना दी। *इपोमिया कार्नेया* मुख्यतः बकरियों और भेड़ों में *इपोमिया कार्नेया* का लगातार सेवन सामान्य कमजोरी, हानि का कारण बताया गया है शरीर का वजन, बालों का झड़ना, लोकोमोटर विकलांगता, सजगता का नुकसान, किडनी की बिमारी, मांसपेशी का कांपना, गतिभंग, पश्च पक्षाघात, पक्षाघात और यहां तक कि मृत्यु भी हो सकती है। विस्टर चूहों में, कुछ जैव रासायनिक परिवर्तन, जैसे ल्यूकोसाइटोसिस, एनीमिया, सीरम एस्पार्टेट में वृद्धि अमीनो ट्रांसफ़रेज़ गतिविधि और एल्ब्यूमिन स्तर में कमी *इपोमिया कार्नेया* उपचार के बाद देखा गया है।

निष्कर्ष

उपयुक्त लेख से पता चलता है कि *इपोमिया कार्नेया* एक औषधीय महत्व का पौधा है। इसका उपयोग कई स्वाथसंबंधी गतिविधियों में किया जाता है जैसे ग्लाइकोसिडेज निरोधात्मक गतिविधियाँ, एंटी-बैक्टीरियल, एंटी-फंगल, एंटी-ऑक्सीडेंट, कैंसररोधी, ऐंठनरोधी, इम्यूनोमॉड्यूलेटरी, एंटी- मधुमेह, हेपेटोप्रोटेक्टिव, सूजन रोधी, चिंताजनक, शामक और घाव भरने एंटीऑक्सीडेंट गतिविधि विरोधी- सूजन संबंधी गतिविधि, गर्भपात, एंटिफंगल गतिविधि,कैंसर रोधी और हेपेटोप्रोटेक्टिव गतिविधि आदि ,इस पौधे मे कई सक्रिय रासायनिक घटकों की उपस्थिति हैं जो विभिन्न प्रकार के औषधीय उपयोगों के लिए किया जाता है । विस्तृत साहित्य सर्वेक्षण के बाद, यह निष्कर्ष निकाला जा सकता है कि *इपोमिया कार्नेया* को कई रोग स्थितियों में उपचार के लिए एक सुरक्षित, किफायती और संभावित औषधीय पौधा माना जा सकता है और चिकित्सीय लाभों के लिए उपयुक्त दवा वितरण प्रणाली में इसके सक्रिय घटकध्अर्कध्अंश को शामिल करके इसका पता लगाया जा सकता है। अंत में, *इपोमिया कार्नेया* और/या इसके फाइटोकॉन्स्टिट्यूएंट्स का चिकित्सकीय महत्व को केवल चिकित्सकीय सुरक्षा के मूल्यांकन के बाद ही लागू किया जा सकता है ।